



मानवीय संगठनों के लिए जलवायु और पर्यावरण चार्टर

परिचय

जलवायु और पर्यावरण संकट मानवता के अस्तित्व के लिए खतरा हैं। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से लेकर हमारे भोजन, पानी और आर्थिक सुरक्षा तक हमारे जीवन के सभी आयाम इससे प्रभावित हैं, हालांकि संकट सभी को प्रभावित कर रहा है, लेकिन जिन लोगों ने इस समस्या में सबसे कम अनुदान दिया है, वे इससे सबसे अधिक प्रभावित हैं और यह स्थिति बदतर होते जा रही है।

जलवायु और पर्यावरण संकट से भावी पीढ़ियों के जीवन और अधिकारों की रक्षा करने के लिए यह ज़रूरी है कि क्या हम सही विकल्प चुनते हैं या नहीं- ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती, जैव विविधता की हानि और पर्यावरणीय क्षरण को रोकना, बढ़ते जोखिमों के अनुसार खुद को ढालना और संकटों के प्रभावों से जुड़े नुकसान और क्षति को दूर करना। इस संकट से बचने के लिए व्यापक परिवर्तनों की तत्काल आवश्यकता है। जैसे स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय संगठनों के रूप में हम संकट के पैमाने और बढ़ती जरूरतों को पूरा करने की हमारी क्षमता के बारे में गहराई से चिंतित हैं, हम कार्रवाई करने के लिए दृढ़ हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम स्वयं के कार्यों को तेज करके और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करके संकटों के प्रभावों को कम करने के लिए मिलकर काम करें।

उद्देश्य

चार्टर का उद्देश्य जलवायु और पर्यावरण संकटों के जवाब में सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करना और उसका मार्गदर्शन करना है, खास तौर पर उन लोगों के लिए जो इसके प्रभावों को सबसे ज़्यादा महसूस करेंगे। इसकी प्रतिबद्धताओं को संगठन-विशिष्ट लक्ष्यों और कार्य योजनाओं के माध्यम से लागू किया जाना चाहिए, जो तत्काल कार्रवाई की ज़रूरत और संगठनों की व्यक्तिगत क्षमता और जनादेश से सूचित हों।

यह चार्टर नवीनतम वैज्ञानिक साक्ष्यों और पेरिस समझौते के उद्देश्यों, आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क (SFDRR) और सतत विकास लक्ष्यों (SDGs), साथ ही अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून, अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून और अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण कानून सहित अन्य प्रासंगिक अंतर्राष्ट्रीय कानून और मानकों द्वारा निर्देशित है। यह प्रमुख मानवीय मानकों का पूरक है, जैसे कि आपदा राहत में अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट और गैर सरकारी संगठनों के लिए आचार संहिता, गुणवत्ता और जवाबदेही पर मुख्य मानवीय मानक, संरक्षण कार्य के लिए व्यावसायिक मानक और क्षेत्र पुस्तिका।

स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय संगठनों के रूप में एक साथ खड़े होकर, हम निम्नलिखित के लिए प्रतिबद्ध हैं:

1. बढ़ती मानवीय अवशक्ताओं के प्रति अपनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाये और लोगों को जलवायु और पर्यावरण संकटों के प्रभावों के अनुरूप ढलने में मदद करे।

हम जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण और पूर्वानुमानित कार्रवाई पर अधिक ध्यान केंद्रित करके झटकों, तनावों और दीर्घकालिक परिवर्तनों के जोखिम और भेद्यता को कम करेंगे। तैयारी, प्रतिक्रिया और पुनर्प्राप्ति सहित हमारे सभी कार्यों में, हम ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बदलते जलवायु और पर्यावरणीय जोखिमों पर विचार करेंगे और उनका समाधान करेंगे। हमारे कार्यक्रम और संचालन, उपलब्ध सर्वोत्तम लघु, मध्यम और दीर्घकालिक जलवायु और पर्यावरण विज्ञान और डेटा, और स्थानीय और स्वदेशी ज्ञान द्वारा सूचित ठोस जोखिम विश्लेषणों पर आधारित होंगे।

हम उन व्यक्तियों का समर्थन करेंगे जो सबसे अधिक जोखिम में हैं, इस बात को ध्यान में रखते हुए कि व्यक्तिगत विशेषताएं, जैसे लिंग, आयु और विकलांगता, संरचनात्मक असमानता, कानूनी स्थिति, तथा गरीबी, हाशिए पर होना, विस्थापन, प्रवास, सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातस्थिति या सशस्त्र संघर्ष जैसी स्थितियां, लोगों की क्षमताओं और कमजोरियों पर क्या प्रभाव डालती हैं।

2. हमारे काम की पर्यावरणीय स्थिरता को अधिकतम करें और हमारे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करें।

"कोई नुकसान न करें" के सिद्धांत के अनुरूप, हम समय पर और सैद्धांतिक मानवीय सहायता प्रदान करने की अपनी क्षमता को बनाए रखते हुए, पर्यावरण और जलवायु को होने वाले नुकसान से बचेंगे, कम करेंगे और प्रबंधित करेंगे। हम सुदृढ़ पर्यावरण नीतियों को लागू करेंगे और अपने कार्यक्रमों, खरीद, रसद और परिसर सहित अपने सभी कार्यों के तत्काल और दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभाव का व्यवस्थित रूप से आकलन करेंगे। हम वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को मापेंगे और उसमें उल्लेखनीय कमी लाएंगे। अपरिहार्य उत्सर्जन की भरपाई के लिए उच्च गुणवत्ता वाली उत्सर्जन कटौती परियोजनाओं का समर्थन करना, जिसमें वनों और भूमि का संरक्षण और बहाली शामिल है, कमी के प्रयासों का पूरक होगा, लेकिन इसे ऐसे प्रयासों का विकल्प नहीं माना जाएगा। हम पानी सहित प्राकृतिक

संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक प्रबंधन और उपयोग करेंगे, और हमारे परिसरों और हमारे कार्यक्रमों द्वारा उत्पन्न कचरे को कम करेंगे और उचित तरीके से प्रबंधित करेंगे।

3. स्थानीय कार्यकर्ताओं और समुदायों के नेतृत्व को अपनाएं।

हमारी कार्रवाई स्थानीय कार्यकर्ताओं और समुदायों के नेतृत्व और अनुभव द्वारा निर्देशित होगी। हम उन्हें जलवायु और पर्यावरणीय जोखिमों को बदलने के लिए बेहतर तरीके से तैयार करने में सहायता करेंगे, और प्रकृति-आधारित समाधानों सहित निवारण और अनुकूलन उपायों पर स्थानीय, पारंपरिक और स्वदेशी ज्ञान से सीखेंगे। हम स्थानीय स्तर पर संचालित टिकाऊ प्रतिक्रियाओं में निवेश करेंगे। हम अपने कार्यक्रमों के डिजाइन, प्रबंधन, कार्यान्वयन और मूल्यांकन में स्थानीय कार्यकर्ताओं और हमारे द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले लोगों की सार्थक और समावेशी भागीदारी और नेतृत्व सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

4. जलवायु और पर्यावरण को समझने की हमारी क्षमता में वृद्धि करें। जोखिम और साक्ष्य-आधारित समाधान विकसित करें।

जोखिमों को कम करने, संकटों का पूर्वानुमान लगाने, समय रहते कार्रवाई करने और अपनी गतिविधियों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, हम अपनी सामूहिक क्षमता को मजबूत करने के लिए, अल्पकालिक और दीर्घकालिक जलवायु और पर्यावरणीय जोखिमों और अवसरों के बारे में अपनी समझ को बढ़ाएँगे। जब संभव होगा, हम डेटा की कमी को दूर करने में मदद करने के लिए प्रासंगिक और सुलभ डेटा और विश्लेषण का उत्पादन और साझा करेंगे। हम अपनी सभी गतिविधियों में इन जोखिमों को दूर करने के लिए विज्ञान, साक्ष्य, प्रौद्योगिकी और संचार के अपने उपयोग में सुधार करेंगे।

5. जलवायु और पर्यावरणीय कार्रवाई को मजबूत करने के लिए मानवतावादी क्षेत्र और उससे परे सहयोगात्मक रूप से काम करें।

हम मानवीय प्रणाली में, विशेष रूप से स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अभिनेताओं के बीच सहयोग बढ़ाएंगे। हम जोखिमों के प्रबंधन और स्थायी हस्तक्षेप विकसित करने के प्रयासों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय और राष्ट्रीय अधिकारियों, पर्यावरण, विकास और मानवाधिकार अभिनेताओं, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों, निजी क्षेत्र, शोधकर्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं और दाताओं के साथ भी काम करेंगे। हम, विशेष रूप से, जन-केंद्रित, जलवायु-लचीला और

समावेशी विकास को आकार देने में मदद करने के लिए हमारे ज्ञान और अंतर्दृष्टि को साझा करें।

6. तत्काल और अधिक महत्वाकांक्षी जलवायु कार्रवाई और पर्यावरण संरक्षण जुटाने के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करें।

हम जोखिमों को कम करने और जलवायु और पर्यावरणीय संकटों के कारणों और परिणामों को संबोधित करने के लिए सरकारों, संगठनों, निजी क्षेत्र और व्यक्तियों द्वारा सभी स्तरों पर महत्वाकांक्षी कार्रवाई का आह्वान करते हैं। नीतियों, निवेशों, प्रथाओं, लोगों के खर्च, जलवायु और पर्यावरणीय संकट के वर्तमान और भविष्य के मानवीय परिणामों के साक्ष्य के साथ, हम कानूनों से संबंधित निर्णय लेने सहित निर्णय को सूचित करने और प्रभावित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम मजबूत जलवायु कार्रवाई और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कानूनों, मानकों, नीतियों और योजनाओं के बेहतर कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रयास भी बढ़ाएंगे।

7. लक्ष्य विकसित करें और अपनी प्रगति को मापें, जैसे हम अपनी प्रतिबद्धताओं को लागू करते हैं।

हम जलवायु और पर्यावरण पर अपने काम के प्रभाव को सख्ती से मापेंगे और पारदर्शी तरीके से रिपोर्ट करेंगे, और जिन लोगों की हम सेवा करते हैं उनसे प्रतिक्रिया मांगेंगे। इस चार्टर को अपनाने के बाद, हम प्रासंगिक मानकों और मार्गदर्शन का उपयोग करते हुए, एक वर्ष के भीतर (यदि पहले से मौजूद नहीं है) अपनी प्रतिबद्धताओं को समयबद्ध लक्ष्यों और कार्य योजनाओं में बदल देंगे। जैसे-जैसे हमारी महत्वाकांक्षाएं बढ़ती हैं, और हमारा ज्ञान और क्षमता विकसित होती है, लक्ष्यों की नियमित आधार पर समीक्षा करने की आवश्यकता हो सकती है। हमारे काम करने के तरीकों में बदलाव से मानसिकता और दृष्टिकोण में बदलाव आएगा, साथ ही महत्वपूर्ण परिवर्तन और रखरखाव लागत भी आएगी। हम अपनी प्रतिबद्धताओं को हासिल करने के लिए आवश्यक संसाधनों का निवेश करेंगे और कार्यान्वयन की प्रक्रिया में एक-दूसरे का समर्थन करेंगे। हमारे दान दाताओं का समर्थन आवश्यक होगा।

अनुलग्नक: शब्दावली

अनुकूलन (जलवायु परिवर्तन के लिए): बदलती जलवायु के साथ तालमेल बिठाने के लिए हम क्या करते हैं यह वास्तविक या अपेक्षित जलवायु और उसके प्रभाव हैं। मानव प्रणालियों में, अनुकूलन का उद्देश्य नुकसान को कम करना या उससे बचना या लाभकारी अवसरों का दोहन करना है। कुछ प्राकृतिक प्रणालियों में, मानवीय हस्तक्षेप अपेक्षित जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभावों के साथ तालमेल बिठाने में सहायता कर सकता है (IPCC, 2018)।

पूर्वानुमानित कार्रवाई: संभावित आपदा प्रभावों को रोकने या कम करने के लिए झटके से पहले या तीव्र प्रभाव महसूस होने से पहले की गई कार्रवाइयों का एक समूह। ये कार्रवाइयां किसी खतरे के प्रभाव की आशंका में और घटना के किस तरह सामने आने की भविष्यवाणी के आधार पर की जाती हैं। पूर्वानुमानित कार्रवाइयों को जोखिम कम करने में दीर्घकालिक निवेश का विकल्प नहीं होना चाहिए और इसका उद्देश्य लोगों की जोखिम प्रबंधन क्षमता को मजबूत करना होना चाहिए (पूर्वानुमानित हब, 2020)।

जैव विविधता की कमी: एक विशेष क्षेत्र में मृत्यु (विलुप्ति सहित), विनाश या मैनुअल हटाने के माध्यम से होती है, जिससे जैविक विविधता के किसी भी पहलू में कमी आती है (यानी आनुवंशिक, प्रजाति और पारिस्थितिकी तंत्र के स्तर पर विविधता खो जाती है); यह वैश्विक विलुप्ति से लेकर जनसंख्या विलुप्ति तक कई पैमानों को संदर्भित कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप समान पैमाने पर कुल विविधता में कमी आती है (IPBES कोर शब्दावली, 2021)।

जलवायु कार्रवाई: जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभाव से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई, साथ ही सभी देशों में जलवायु से संबंधित खतरों और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति लचीलापन और अनुकूलन क्षमता को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदम। जलवायु कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (ECOSOC, 2019) के लक्ष्य 13 का विषय है।

जलवायु और पर्यावरण संकटों में चरम जलवायु और मौसम की घटनाएं, जैव विविधता की हानि, वायु प्रदूषण, भूमि क्षरण, असंतुलित उत्पादन और खपत, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, समुद्री प्लास्टिक कचरा, अत्यधिक दोहन वाले प्राकृतिक संसाधन, एंटीबायोटिक प्रतिरोधी संक्रमण और खतरनाक पदार्थों और कीटनाशकों का हानिकारक उपयोग शामिल हैं (UNEP: GEO-6, 2019)।

पर्यावरणीय स्थिरता: एक स्थिति है जिसमें पर्यावरण पर रखी गई मांगों को सभी लोगों को अब और भविष्य में अच्छी तरह से जीने की अनुमति देने की क्षमता को कम किए बिना पूरा किया जा सकता है (GEMET, 2020)। पर्यावरणीय स्थिरता जलवायु कार्रवाई से व्यापक होती है, जलवायु और पर्यावरणीय प्रभावों को सीमित करना दोनों ही जलवायु परिवर्तन को कम करने में योगदान दे सकता है, उदाहरण के लिए उत्सर्जन और हरित प्रथाओं को कम करके, और जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों की लचीलापन को मजबूत करने के लिए (IUCN, कोई तारीख नहीं; IUCN, 2015; GEMET, 2020)।

निवारण (जलवायु परिवर्तन का): ऐसी कार्रवाई जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को सीमित या रोकती है और उन गतिविधियों को बढ़ाती है जो इन गैसों को वायुमंडल से हटाती हैं (IPCC, 2018)।

प्रकृति-आधारित समाधान: प्राकृतिक और संशोधित पारिस्थितिक तंत्रों की रक्षा, स्थायी प्रबंधन और पुनर्स्थापना के लिए कार्य जो सामाजिक चुनौतियों का प्रभावी और अनुकूल तरीके से समाधान करते हैं, साथ ही साथ मानव कल्याण और जैव विविधता लाभ भी प्रदान करते हैं (IUCN, 2016)।